0544 1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

दस्तावेज जांच किया

वास्ते जिला निबंधक

1. लेख्यकारी :- 1. श्री राम दास लाहा 2. श्री दुलाल च. लाहा 3. श्री दुर्गा दास लाहा पिता स्व० शरबोहरि ला. जाति गन्धवणिक पेशा व्यवसाय निवास स्थान पचा. बो थाना चास जिला बोकारो। "गैर आदिवासी हैं"

2. लेख्यधारी :- श्री लालु मोदक पिता स्व० गोलकुमे. जाति मोदक पेशा व्यवसाय निवास स्थान सुकदेव. कॉलोनी चास पचालय बो थाना चास जिला बोका.

"भारतीय"

3. विक्रय केवाला दस्तावेज

4. विक्रय केवाला दस्तावेज का मूल्य 52,50("बावन हजार पाँच सौ" रुपये जिसका मुद्र. एवं शुल्क दिया जा रहा है, बिक्री जमीन. वास्तविक मूल्य 28,000 "अठाईस हजा. रुपये मौजा चास के अन्दर रकबा 03½ जमीन्दार मालिक झारखण्ड सरकार अंचल

Fee Paid

578.55

30/10

500Rs.

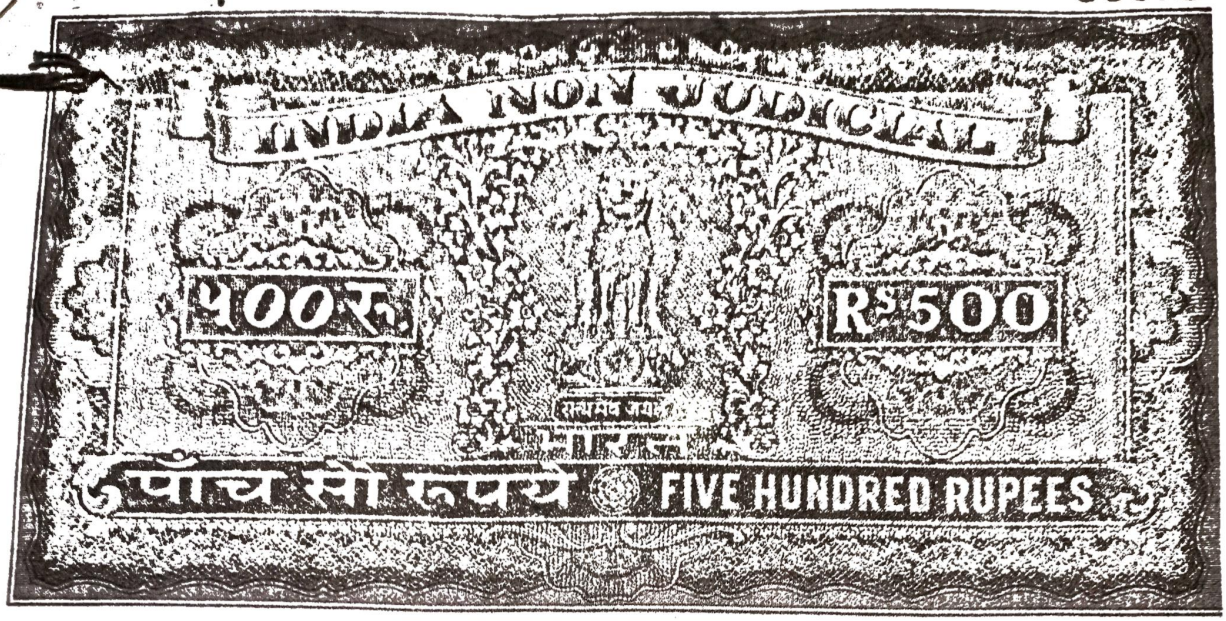

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.   Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

Ramdas 30/10/04
Jhulal Chandra Laha 30/10/04
Durgadas Laha 30.10.05

४. तफशील वर्णित जमीन कच्चा रास्ता के किनारे आवा-
सीय योग्य खाली जमीन।

५. तफशील वर्णित जमीन वार्ड नं० ६ के अधीन है।

६. तफशील सम्पत्ति जिला बोकारो, सदर सब रजिस्ट्री ऑफिस बोकारो (चास) थाना चास परगना खासपेल अन्तर्गत ३० नं० थाना युक्त मौजा चास के अन्दर गत सार्वेसेटलमेन्ट पर्चा में हम लोगों के पितामह: स्व० लक्ष्मी नारायण लाहा के नाम पर पर्चा युक्त कायमी रैयति स्वत्व स्वाल दखल की सम्पत्ति होता है।

30/10/04
30/10/04
30/10/04

जिसका खाता नं० ४३८ "चार सौ अड़तीस" के अं
प्लौट नं० ३६६६ "तीन हजार छः सौ छड़सठ" रकबा
में से रकबा ०३½ "तीन पुर्णांक एक बट्टा दो" डिस
हम लोगो का निजांश जमीन बिक्री किया। चौहद्दी
प्लौट नं० ३६६७ प०:- १२' फीट कच्चा रास्ता, पु० के
बिक्रीत प्लौट का अंश।

जो कि साथ में नकशा नत्थी किया हुआ लाल रं
रंगाकर "A/3" बिन्दीत जमीन विशेष रूप से द
गया है।

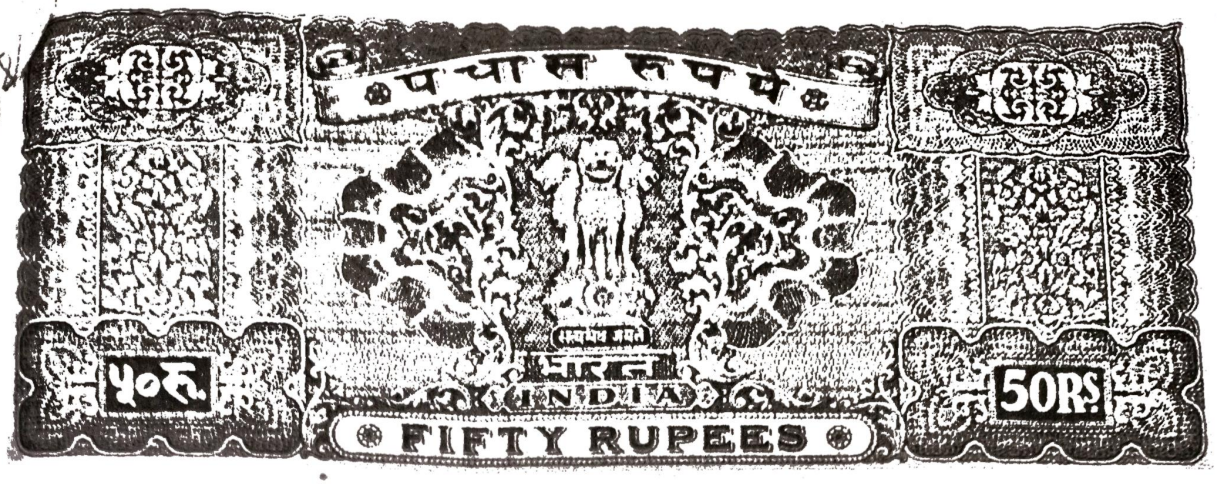

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५० रु. — FIFTY RUPEES — 50 Rs.

30/10/04

Dulal Chandra Laha 30/10/04

Durgadas Saha 30.10.04

चूँकि विक्रय केवाला दस्तावेज का विवरण है. कि हम लोगों
के घरेलु एवं अन्यान्य संसारिक खर्च कारण रुपये की आव
श्यकता होने पर उक्त रुपये संग्रह करने हेतु उपरोक्त
तफशील प्रकाशित जमीन की उचित मूल्य 28,000) –
"अठाईस हजार" रुपये धार्य किया और इतने दाम
कीमत पर आज आपके हाथ बेचकर सदा के लिए
निःस्वत्व हुआ।

आप आज दिनांक से उक्त विक्रय सम्पत्ति की निर्धारित
सालाना मालगुजारी वर्तमान मालिक जमीन्दार भारत
सरकार को प्रत्येक वर्ष लगान आदाय देकर लगान रसी
आप अपने नाम पर लेकर स्वयं कच्चा पक्का मकान
बाग बगीचा कुँआ आदि निर्माणकर तथा दान, वि
हस्तान्तर का मालिक बनकर वंश परम्परा से पुत्र पु
दिगर परम पुत्र से भोग दखल करते रहें।

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रु. 50RS.

FIFTY RUPEES

[illegible] 30/10/08

[illegible] 30/10/08

[illegible] 30.10.08

जिसमें हम लोगों के उत्तराधिकारियों के साथ किसी प्रकार की दावी-दबाव तथा आपत्ति नहीं रहेगा। उक्त विक्रय सम्पत्ति दखल अधिकार एवं कब्जे में है। इस पर किसी प्रकार की बन्धक, विक्रय, दान, हस्तान्तर या बेनामी किया हुआ नहीं है। अगर भविष्य में किसी प्रकार की त्रुटि प्रमाणित होने पर उक्त विक्रय सम्पत्ति की क्षति पूर्ति देने के लिए बाध्य रहा।

अतः विक्रय केवाला दस्तावेज का मूल्य नगद ग्रहणकर सरल मन से स्वस्थ शरीर से यह दस्तावेज लिख दिया जो कि समय पर काम आवे। इति अंग्रेजी 2008 साल दिनांक 30 वाँ अक्टूबर।

सत्यमेव जयते
भारत
INDIA
TWENTY RUPEES
२०रु.
20RS.

[illegible] 30/10/04
[illegible] 30/10/04
[illegible] 30.10.04

पक्षों को दस्तावेज पढ़कर सुनाया एवं समझा दिया मूल दस्तावेज एवं इसकी प्रति एवं इसकी भी सच्ची एवं हूबहू प्रतिलिपि है. प्रारूपकर्ता एवं लेखक :- श्री कान्ती पद महतो मो0 :- चास।

-गवाह-

[illegible]
[illegible]
[illegible] 30/10/04

Hiralal [illegible]
30/10/04